हमारे अगुवों के संदेश,

शान्ति रविवार 2016

कोलम्बिया की मेनोनाइट कलीसियाएं "Pan y Paz" के माध्यम से शान्ति रविवार के दिन सड़क में अनजान लोगों को ब्रेड बांटने के द्वारा मसीह के प्रेम को बांटती हैं। छायाचित्र – क्रिस्टिना टेज़।

प्रकाशन तिथि : गुरुवार, 18 अगस्त 2016

''मिलाप कराने वाले धार्मिकता का फल मेल–मिलाप के द्वारा बोते हैं।'' (याकूब 3:18)।

एक ऐसे संसार में जो हिंसा से ग्रसित है, एक शान्तिवादी कलीसिया होना – एक ऐसी कलीसिया जो मसीह की शान्ति के मार्ग के प्रति समर्पित है – सरल नहीं है। ये मार्ग जबर्दस्त इच्छा–शक्ति, अपने उद्देश्य में लगातार बने रहने और यहाँ तक कि बलिदान की मांग करते हैं। हमेशा यह निश्चित नहीं होता है कि शान्ति के लिए मसीह के मार्ग प्रभावशाली होवेंगे। तो भी, याकूब की पत्री का लेखक हमें स्मरण दिलाता है कि मतलब की बात यह है कि किस प्रकार से हम अपने बीज को बोते हैं। यदि हम वास्तव में धार्मिकता (जो कि घनिष्टता से न्याय की नीति से सम्बंधित है) का फल चाहते हैं, हमें अवश्य ही शान्ति के साथ बोना है।

सोसायटी ऑफ फ्रेण्ड्स (क्वेकर्स) और चर्च ऑफ ब्रेद्रेन के साथ शामिल, मेनोनाइट लोग तीन ऐतिहासिक शान्तिवादी कलीसियाओं में से एक हैं। इन तीनों कलीसियाओं ने, अपने पूरे इतिहास में, शान्ति और शान्ति के मार्गों का परमेश्वर के राज्य में सहभागी होने के केन्द्र के रूप में अंगीकार किया है।

आपकी कलीसिया किस प्रकार से विश्वास के एक ऐसे पहचान का निर्माण करती है जो शान्ति के मार्गों पर आधारित है?

विश्वास के एक विश्वव्यापी समुदाय के रूप में, 18 सितम्बर 2016 को हम शान्ति रविवार मनाने वाले हैं। आपकी कलीसिया उस शान्ति को किस प्रकार से प्रोत्साहित करती है जिसकी हमारे इस संसार को बड़ी आवश्यकता है?

ऐन्ड्रू सुडरमान मेनोनाइट वर्ल्ड कॉन्फ्रेन्स पीस कमीशन

हमारे अगुवों के संदेश,

एक पाप–रहित जीवन

एक ऐनाबैप्टिस्ट–मेनोनाइट परिवार, आम अध्यात्मज्ञानिक और व्यवहारिक मुद्दों पर विचार–विमर्श करने के लिए, और उपासना और संगति के लिए, साउदर्न कोन में प्रतिवर्ष इकट्ठा होता है, जबकि सदस्यगण एक साथ सीखते हैं और पहुनाई का आनन्द लेते हैं। छायाचित्र – लुइस मा. अल्मान बॉर्नेस।

प्रकाशन तिथि : गुरुवार, 18 अगस्त 2016

जब आप *पहुनाई* शब्द को सुनते हैं, आपके मन में क्या विचार आता है? आम तौर से यह मुझे उस अनुभव का स्मरण दिलाती है जिसे मैंने तब प्राप्त किया था जब मैं एक अन्य महाद्वीप के एक देश का भ्रमण कर रहा था।

मैं सोचता था कोलम्बिया निवासी अच्छे पहुनाई करनेवाले होते हैं, जब तक मैं एक अलग संस्कृति के एक परिवार में पाहुन नहीं रहा। उनकी पहुनाई अद्भुत थी : जिस मात्रा में और जितना बढ़िया भोजन उन्होंने परोसा था, उनकी एक एक बात जिन्होंने मुझे बहुत ही आत्मीयता का अनुभव कराया था। मेरे कमरे की एक एक चीजें, उनकी बातचीत, उनका सन्मान और हर सम्भव तरीका से मेरी सेवा करने के प्रति उनका तैय्यार रहना, अद्भुत थे।

तो भी, उन सब से बढ़कर, उनके हृदय के व्यवहार ने मुझे छू लिया था। अपने सब कार्यों को रोक देने और मात्र अपने पाहुन की सेवा के लिए अपने उदार हृदय को एकाग्रचित कर देने के लिए वे तैय्यार रहा करते थे।

एक पाहुन पर ध्यान दे सकने की योग्यता के रूप में पहुनाई को परिभाषित किया गया है। यह बहुत ही कठिन है क्योंकि हम अपने स्वयं की आवश्यकताओं के प्रति चिन्तित रहते हैं। हमारी चिन्ताएं हमें अपने स्वयं से दूसरों की ओर हमारे ध्यान को केन्द्रित करने से रोकती हैं। यदि किसी जन का अपने स्वयं पर ध्यान केन्द्रित करना पाप है, जैसा कि हिप्पो के अगस्टीन ने परिभाषित किया है, तब एक पाप रहित जीवन ही है जो दूसरों पर ध्यान केन्द्रित करने में सक्षम है। दूसरे शब्दों में, पहुनाई करनेवाला जीवन एक पाप रहित जीवन होता है।

पहुनाई का क्या अर्थ है उसका यीशु सब से अच्छा उदाहरण है। उसके जीवन और क्रूस पर उसकी मत्यु में, मानव जीवन के संसार में परमेश्वर प्रवेश करता है। उसकी दया के माध्यम से परमेश्वर अपने ध्यान को अपने स्वयं की अपेक्षा दूसरों की ओर केन्द्रित करता है। यह यीशु के दुख और घायल होना ही है कि मानवीय मृत्यु, निर्बलता और असुरक्षा में परमेश्वर सहभागी होता है। और तब, प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में, यीशु उन सब जातियों से आई भीड़ के लिए, जो उसकी उपासना के लिए आते हैं, अपनी महिमा में जगह बनाता है।

यीशु का उन दूसरों के प्रति व्यवहार और उनकी ओर ध्यान केन्द्रित करना उन लोगों के लिए चंगाई लाता है जिन्हें पीड़ित किया गया है और जिन्होंने पीड़ा और सताव का अनुभव किया है। यीशु के घावों का अन्याय, या अन्ततः उसकी विजय और प्रभुता की सच्चाई, कोई भी बात उसे अपने स्वयं की सेवा करने के लिए आत्म–केन्द्रित नहीं करते हैं। दूसरों की शान्ति, अगुवाई और उनकी चरवाही करने के लिए वह हर समय उपस्थित है। यहाँ तक कि अपनी महिमा में भी – यीशु, सेवा कराने के लिए नहीं, सेवा करने के लिए आया है।

आज, जब कि हम पूरे संसार में शरणार्थी संकट का साम्हना करते हैं, मसीह की देह के रूप में पहुनाई करने की हमारी बुलाहट हमें उन दुखों और पीड़ा के बीच परमेश्वर की उपस्थिति को प्रगट करने आमंत्रित करती है। जो लोग सताए गए हैं, बीमार हैं और बेघर हैं, ऐसों की ओर अपने ध्यान को केन्द्रित करने की बुलाहट है। य़द्यपि हम स्वयं भी अनेक आवश्यकताओं का अनुभव करते होंगे और चिन्ता करने के लिए काफी समस्याएं होंगी, दूसरों की सेवा करने की बुलाहट तो है ही। अपने स्वयं की कंगाली, संसाधनों की कमी, मतभेदों, संघर्षों, उद्यमों और योजनाओं के होते हुए भी, दूसरों की ओर अपने ध्यान को केन्द्रित करने की बुलाहट तो है ही।

यही वह कारण है कि *Courier/Correo/Courrier* का यह संस्करण इस विषय को उठाता है। जिस परिवार ने मुझे अपने यहाँ ठहराया था वह इतना अच्छा पहुनाई करनेवाला था, मात्र अपनी संस्कृति के कारण से ही नहीं, परन्तु इसके साथ ही जिस तरीके से उन्होंने अपने मसीही अनुभव को जिया था उसके कारण से भी। यीशु मसीह अपने प्रभु के पदचिन्हों के अनुसार परमेश्वर के साथ अपने अनुभव को जीते हुए, काश परमेश्वर वैसी ही मनसा से दूसरों की चिन्ता करने में हमारे वैश्विक समुदाय की अगुवाई करे!

– सीसर गार्सिया, एम.डब्ल्यू.सी. जनरल सेक्रेटरी, बोगोटा, कोलम्बिया के मुख्यालय

कृतज्ञता और दूसरों के लिए बिनती की प्रार्थना

अगस्त 2016ः ब्राजील देश एक ही समय में एक अस्थिर सरकार से जूझ रहा है, आर्थिक संकट से उबरने का प्रयास कर रहा है और ओलम्पिक की तैयारी कर रहा है। मेनोनाइट कलीसियाओं के लिए प्रार्थना करें जो बाइबल–सम्मत, ऐनाबैप्टिस्ट, शान्ति दृष्टिकोण से इन राजनैतिक चुनौतियों का कैसा प्रतिउत्तर दें इस प्रश्न से जूझ रहे हैं। जबकि कुछ मेनोनाइट लोग सरकारी भ्रष्टाचारों के विरुद्ध प्रदर्शनों में भाग लेते हैं, बुद्धि और धार्मिकता के लिए प्रार्थना करें। जबकि ओलम्पिक का आयोजन खेल–योग्यता प्रदर्शित करने के लिए पूरे विश्व से लोगों को एक साथ लाती है, प्रार्थना करें कि खिलाड़ियों और दर्शकों में ईमानदारी हो सके। कलीसियाओं को मसीह की आत्मा में पहुनाई कर सकने प्राप्त अवसर के लिए परमेश्वर का धन्यवाद करें।

अगस्त 2016 : जिम्बाब्वे का देश पुनर्स्थापना के लिए पुकार रहा है। कलीसियाएं प्रार्थना कर रही हैं पश्चताप, शान्ति और चंगाई के लिए; कि देश के नागरिकों और नेताओं के बीच एकता की आत्मा व्याप्त हो सके। हम प्रार्थना करते हैं कि बेरोजगारी दर (जो कि 80 प्रतिशत से ऊपर है) कम हो सके। हम रोजगार अवसरों, विशेषकर युवाओं के रोजगार अवसरों के लिए प्रार्थना करते हैं। हम प्रार्थना करते हैं कि गरीबी का उन्मूलन हो सकेगा। हमारे देश में इस वर्ष के शुरू में, अवर्षा की स्थिति ने प्रतिकूल रूप से फसलों और पालतू पशुओं को प्रभावित किया है, तो भी कलीसिया धन्यवाद देना नहीं छोड़ती क्योंकि ''कृ तेरे संग चलनेवाला तेरा परमेश्वर यहोवा है; वह तुझको धोखा न देगा और न छोड़ेगा।'' (व्य.वि. 31:6)। काश मसीह की देह उन सभों के लिए शरण का स्थान हो सके जो भटके हुए हैं; और कि काश हम एक साथ चलते रहें, जबकि सम्पूर्ण चांदी और सोना के स्वामी यीशु मसीह पर अपना भरोसा रखते हुए हम विश्वास में उन्नति करते जाते हैं।